PUNJABI





























PA









अक्षर माला

नीचे लिखी अक्षर माला को पढ़ने, याव करने व लिखने का बार-बार अभ्यास की जीए और परिवारजन व मित्रों को पढ़ कर सुनाइये:-

मस्यास काषा	ाए जार पारवा	रिजन व । लग	का पढ़ कर ।	तुनाइयः—		
8	M	ੲ	H	ਹ		
उ जड़ा	अ ऐड़ा	इ ईड़ी	स सस्सा	ह हाहा.		
	13	E K	D U			
व	ਖ	वा	ਘ	5		
के कंक्का	खखक्खा	ग गग्गा	घ घग्घा	ङ ङङा		
ਚ	E	ਜ	3	=		
च चच्चा	ত তच्छा	ज जंज्जा	झ झज्झा	ञ अञा		
		7.77				
2	ত ্	ਡ	ਢ	ਣ		
ट टैंका	ठ ठड्डा	ड डड्डा	ढ ढड्डा	ण जाजा		
	© Sikh Temple Dar-es-Salaam					
ਤ	व	ਦ	प	ਨ		
त तत्ता	थथत्था	द दद्दा	ध धदधा	न नन्ना		
Total and	استيسا	-				
ਪ	ट	ਬ	1 1 1 1	н		
पपप्पा	फ फफ्फा	ब बब्बा	भ भव्वा	म मम्मा		
	40.77	the last with	V 10.14	Tall V		
ਯ	ਰ	ੁਲ	ਵ	ੁੜ		
प्रयया	र रारा	ल लल्ला	व वव्वा	ड़ ड़ाड़ा		
	- PER PER	इं. हे से च्या	THE P. P. L.	THE PARTY		
ਸ਼	ੂਖ	्.वा	਼ਜ਼	्रह		
शप्शा	ख ख़क्खा	्ग ग्रग्गा	ज जजा	फ़ फ़फ़्ज़		

भूल सकने वाले अक्षर

नीचे कुछ अक्षर दिये गये हैं। ये अक्षर ऐसे हैं जो आपस में मिलते-जुलते हैं और जिन्हें पढ़ने व लिखने में भूल हो सकती है। इसिलये इन अक्षरों के आपस के अन्तर को समझने का प्रयत्न करते हुए बार-बार अभ्यास कीजिए।



विशेष नोट

- पंजाबी व हिन्दी के 'ग, ट, ठ' में कोई अन्तर नहीं।
- * हिन्दी के दो 'श' और 'ष' के स्थान पर पंजाबी में एक ही 'मा' है।
- * 'ञ्ज' अक्षर सिर्फ पंजाबी में ही मिलता है। हिन्दी में इसके लिए 'ड' के नीचे बिन्दी लगाकर (ड़) काम में लाया जाता है।

स्वर और मात्राएं

नीचे लिखी मात्राओं को याद करने का अभ्यास कीजिए व हिन्दी की मात्राओं के साथ इनके अन्तर को समझने का प्रयास कीजिए।

The state of the s					
स्वर	पंजाबी चिन्ह	नाम	हिन्दी चिन्ह	प्रयोग	
भ अ	REPORT	मुक्ता		व क	
आ आ	T	कन्ना	T	वा का	
ਇ इ	f	सिहारी	ि ि	वि कि	
ष्टी ई	7 7	बिहारी	7	वो की	
ਉ उ		औंकड़	3	वु कु	
ਉ ज ऐ ए भे ऐ	P) = 4	दुलैंकड़	W- 80	व क	
ष्टे ए	P 55 55	लां े	9 E P	व क के	
भ ऐ	Q Sikh Ter	nple Dar-es-Sala दुलाइया	am 🗻	वै कै	
ह ओ		होड़ा	ì	व को	
ਔ औ	रत कुर	कनौड़ा	1504 8	वं कौ	
ਅੰ अं	विका संब	टिप्पी	इ.ह.	र्वं कं	
भां आं	i i	बिन्दी	*	वां काँ	
TQ.	- 5	अदधक	O C	वं कव	
19.0	7 多日 物	クロ	KUE	RH DYTH	

ह हिल्ला उन्न विशेष नोट

* पंजाबी में कन्ना (आ की मात्रा) आधा हो जाता है ताकि 'क'(रा)और 'का'(रा) में अन्तर स्पप्ट हो सके।

* पंजावी व हिन्दी की 'f', f', '', '' मात्राओं में कोई अन्तर नहीं है।

मुक्ते वाले शब्दों का प्रयोग

नीचे लिखे शब्दों को बार-बार लिखने का अभ्यास कीजिए।

ਤ ਥ ਦ ਹ ਫ	तथदह फ
ਦਲ ਫਲ ਜਲ	दल फल जल
ਤਨ ਮਨ ਧਨ	तन मन धन
ਸਫਲ ਭਜਨ ਅਣਖ	सफल भजन अणख
ਕਰਮ ਨਮਕ ਸਮਝ	करम नमक समझ
ਅਟਕ ਸਰਬ ਅਕਲ	अटक सरब अकल
ਸਰਬਤ ਦਰਖ਼ਤ ਦਰਸ਼ਨ	सरबत दरख़त दरशन
ਘਰ ਚਲ ਸ਼ਬਦ ਪੜ	le Dar-es-Salaam घर चल शब्द पढ़
ਕਸਰਤ ਕਰ ਝਗੜ ਨ	कसरत कर झगड़ न
ਸੜਕ ਤਕ ਚਲ	सड़क तक चल
ਨਕਲ ਨ ਕਰ	नकल नं कर
ਅਸਲ ਖਬਰ ਦਸ	असल खबर दस
ਝਟ ਪਟ ਕਲਮ ਪਕੜ	झट पट कलम पकड़
ਵਰਤ ਨ ਰਖ	वरत न रख
ਚਹਲ ਪਹਲ ਕਰ	चहल पहल कर
The second secon	Marrie with first it a color

कन्ना वाले शब्दों का प्रयोग

नीचे लिखे शब्दों को बार-बार लिखने व पढ़ने का अभ्यास कीजिए। याद रहे कन्ना लम्बाई में आधा होता है।

ਆ ਸਾਤਾਪਾਜਾਂ आ साता ਵਾਹ ਬਾਜ਼ ਨਾਖ ਵਡਾ ਹਰਾ ਕਲਾ ਤਾਰਾ ਬਾਬਾ ਚਾਚਾ ਪਰਮਾਤਮਾ ਆਤਮਾ ਸਰਦਾਰ ਆਸਰਾ ਗਲਾਸ ਕਾਗਜ਼ ਕੜਾ ਪਾ ਪਾਨ ਨਾ ਖਾ ਦਸਤਾਰ ਸਜਾ ਹਵਾ ਬਾਜ਼ ਟਾਲ ਨਾ ਨਾਮ ਜਪ ਵਾਗ ਫੜ ਸਾਰਾ ਪਾਠ ਯਾਦ ਕਰ ਬੜਾ ਸਾਵ ਕਰ ਮਾਤਾ ਦਾ ਆਦਰ ਕਰ ਤਲਵਾਰ ਨਾਲ ਝਟਕਾ

पा जा वाह बाज नाख हरा वडा तारा बाबा लाजा आत्मा परमात्मा सरदार आसरा गलास कागज © Sikh Temple Dar-es-Salaam कडा पा पान नाखा दसतार सजा हवा बाज़ टाल ना नाम जप वाग फड सारा पाठ याद कर थड़ा साफ कर माता दा आदर कर तलवार नाल

सिहारी व बिहारी वाले शब्दों का प्रयोग नीचे लिखे शब्दों का बार-बार लिखने व पढ़ने का अभ्यास कीजिए। याद रखिये हिन्दी व पंजाबी में दोनों सिहारी व बिहारी एक जैसे लिखे जाते हैं।

ਤੀਰ ਸ਼ਿਕਾਰ ਬਕਰੀ ਸਿਮਰਨ ਸ਼ਹੀਦੀ ਨਾਮ ਨਾ ਵਿਸਾਰ ਕਿਰਤ ਕਮਾਈ ਕਰ ਸਫਲ ਜੀਵਨ ਜੀ ਸਿਤਾਰ ਵਜਾ ਕੀਰਤਨ ਕਰ ਸਿਹਤ ਲਈ ਸਫਾਈ ਰਖ ਬਾਣੀ ਪੜ ਫਿਕਰ ਨ ਕਰ ਸਾਈਕਲ ਚਲਾ विवयात सी बीभंड सम किरपान दी कीमत दस ਪਿਤਾ ਜੀ ਦਾ ਕਹਿਣਾ ਮਨ। पिता जी दा कहिणा मन ਰਾਵੀ ਬਿਆਸ ਦਾ ਪਾਣੀ रावी बिआस दा पाणी

ਸਿ ਜਿ ਦਿ ਤੀ ਨੀ ਲੀ। सि जि दि ती नी ली विच शिकार बकरी सिमरन शहीदी नाम ना विसार किरत कमाई कर सफल जीवन जी Dar-es-Salaam सितार वजा कीरतन कर सिहत लई सफाई रख बाणी पढ़ फिकर न कर साइकिल चला

औं कड़ व द्लैं कड़ वाले शब्दों का प्रयोग नीचे लिखे शब्दों का बार-बार लिखने व पढ़ने का अभ्यास कीजिए।

ਚੁਪ ਗੁਣ स्य ਗੁੜ ਉਦਮ ਪੁਸਤਕ ਮੂਲੀ ਝੂਠ ਪੂਰਣ ਸੂਰਜ ਗੁਰਮੁਖ ਬਣ ਦੁਸ਼ਮਣੀ ਨਾ ਪਾਊ ©Sikh Temple Da ਕੁਰਸੀ ਟੂਟ ਗਈ ਵਾਹਿਗੁਰੂ ਜੀ ਕੀ ਫਤਹਿ ਮੂਰਤੀ ਪੂਜਾ ਨਾ ਕਰ ਦੂਖਨਿਵਾਰਨ ਸਾਹਿਬ ਗੁਰੂ ਘਰ ਜਾ ਤਮਾਕੂ ਨ ਵਰਤ ਅਕਾਲ ਪੂਰਖ ਸਿਮਰ ਝੂਠ ਨਾ ਮਾਰ

व उ च ठु छु घु। कु हु चु नू लू थू चुप गुण दुध गुड़ उदम पुस्तक कूड़ झूठ मूली लूण सूरज पूरण गुरमुख बण दशमणी ना पाऊ कुरसी टुट गई वाहिगुरू जी की फतह मूरती पूजा न कर दूखनिवारन साहिब ग्रू घर जा तमाकू न वरत अकाल प्रख सिमर ब्रूठ ना मार

लां व दुलाईयां वाले शब्दों का प्रयोग

नीचे लिखे शब्दों को पढ़ने व लिखने का वार-वार अभ्यास कीजिए। याद रिखये हिन्दी व पंजाबी में दोनों समान रूप से लिखे जाते हैं।

ਤੇ ਸੇ ਨੇ तेव तेल स्रेत **ਮੈ**ਰ तैस ਕਰੇਲੇ ਹਨੇਰੇ ਬੈਨਕ ਐਨਕ ਕੇਸ ਸਦਾ ਸਾਫ ਰਖ ਮੈਲੇ ਪੈਰ ਸਾਫ ਕਰ ਸੇਵਾ ਕਰ ਮੇਵਾ ਖਾ ਵੈਰ ਨਾ ਰਖ ਕੈਤੇ ਫੈਸਨ ਵਿਚ ਨਾ ਪੈ ਗਿੱਲੇਕਪੜੇ ਉਤਾਰ ਦੇ ਜੇਮਾਲਾ ਗੁਰਮਤਿਨਹੀਂ ਹੈ ਜੈਸੀ ਕਰਨੀ ਵੈਸੀਕਰਨੀ ਰਬ ਨਿਰਵੈਰ ਹੈ ਭੈੜੀ ਆਦਤ ਛਡ

बै है थै। ते से ने भै ले पै देर नेक पैर खैर कैट सवेरे करेले हनेरे पैदल बैठक केस सदा साफ रख मैले पर साफ कर © Sikh Temple Dar-es-Salaam भेटा भा सेवा कर मेवा खा वैर ना रख भैडे फैशन विच ना पै गिले कपड़े उतार दे जै माला गुरमित नहीं है जैसी करनी वैसी भरनी रब निरवैर है भैड़ी आदत छड

होडे व कनौडे वाले शब्दों का प्रयोग नीचे लिखे शब्दों को बार-बार पढ़ने व लिखने का अभ्यास कीजिए।

ਓ ਬੋਲੋਂ ਜੌ ਸੌ ਪੋ। ओ बो लो जौ सौ पौ ਤੌਲ ਰੋਜ਼ सेत ਕੌਲ ਕੌੜੀ ਸੌਖੀ ਪੌਤੀ ਘੋੜੇ ਦੌੜਦੇ ਹਨ भुमोघड ठाल भूषेल वर्ज मसीबत नाल मखौल करो ਔਖ ਸੌਖ ਵਿਚ ਨਾਮ ਜਪੋ ਬਹਤੀ ਮੌਜ ਕੌੜਾ ਹਾਲ ਜੋਸ਼ ਵਿਚ ਹੌਸ਼ ਰਖੋ ਮੇਰਾ ਨਾਮ ਸਮਸ਼ੇਰ ਕੌਰ ਹੈ ਰੋਜ ਸਵੇਰੇ ਜਾਗੋ ਹੌਲੀ ਬੋਲੋ ਬੋਲੇ ਸੋ ਨਿਹਾਲ

चोर तोल रोज **ਫੌ**स में कौल फौज सौख उँउ चें जोड़ा, तोता, चोला पौड़ी, कौड़ी घोड़े दौडदे हन

और मौरव विच नाम जपो बहुती मौज कौड़ा हाल जोश विच होश रखो मेरा नाम शमशेर कौर है रोज सवेरे जागो हौली बोलो बोले सो निहाल

हिन्दी के 'ओ' के लिए पंजाबी में 'ਓ' प्रयुक्त होता है।

टिप्पी व बिंदी वाले शब्दों का प्रयोग

नीचे लिखे शब्दों को बार-बार पढ़ने व लिखने का अभ्यास कीजिए। याद रखिये मक्ते, सिहारी, औंकड और दलैंकड के साथ टिप्पी लगती है। जबिक अन्य के साथ बिंदी का प्रयोग होता है। हैं के साथ हमेशा बिंदी लगती है।

ਜੰਗਲ ਅਖਾਂ ਅੰਗਰ ਭਾਂਡਾ ਪੰਜ ਪਿਆਰੇ ਬੰਦਾ ਸਿੰਘ ਬਹਾਦਰ ਸਰਦਾਰ ਮਨਿੰਦਰ ਸਿੰਘ घाउत भोंच इत्स प्रें बाहर माह वरदा ऐ ਤੂੰ ਆਪਣਾ ਕੰਮ ਕਰ ਲੈ ਮੈਨੂੰ ਟਿਕਟਾਂ ਲਿਆ ਦਿਓ ਬਸੰਤ ਕਦੋਂ ਆਏਗੀ? ਅਨੰਦਪਰ ਇਥੋਂ ਕਿੰਨੇ ਮੀਲ ਏ? ਮੈਨੂੰ ਉਂਘ ਆ ਗਈ

ਅੰਸੰਕੰਆਂ ਸਾਂਕਾਂ। अंसंकं आँसाँकाँ जंगल अखाँ अंगूर भाँडा पंज पिआरे बंदा सिंघ बहाद्र सरदार मनिंदर सिंघ तुं आपणा कंम कर लै मैनं टिकटाँ लिआ दिओ बसंत कदों आऐगी ? अनंदप्र इथों किने मील ए? भेवी ਉंवाਲੀ ਛਡ ਦਿਓ मेरी उँगली छड दिओ मैनूं ऊँघ आ

आधे अक्षरों वाले शब्दों का प्रयोग

नीचे लिखे शब्दों की बार-बार पढ़ने व लिखने का अभ्यास कीजिए। याद रहे पंजाबी में अक्षरों की दोहरी ध्वनि प्रकट करने हेतू 'अदधक' का प्रयोग होता है। जबकि हिन्दी में अर्ध अक्षर का प्रयोग किया जाता है।

पता मच्छर सच्चा रस्ती लस्ती मक्की हिए चिंठी विप्त से हे? ऐ चिट्ठी किस दी ऐ? बत्ती बुझा दिओ। छुएस भॅद्या चेठ हां चु उहदा मत्था चनं वाँगू चमकदा ऐ

© Sikh Temple Dar-es-Salaam ਪਾਠ ੧੨

द्वित अक्षरों वाले शब्दों का प्रयोग

ਗੰਥ ਪੇਮ व्रय प्रेम गुंथ ਖੋਲ पढ़ चढ़ खोल ਚੜ मृत , ड्रथ्मांिं हवै स्वर त्वप्रसादि ਲੋਹ ਗੜ੍ਹ ਦਾ ਕਿਲਾ लोह गढ़ दा किला मित्र नं पत्र लिखो ਮਿਤ੍ਰ ਨੂੰ ਪਤ੍ਰ ਲਿਖੋ पहाड़ ते चढ़ना है। ਪਹਾੜ ਤੇ ਚੜ੍ਹਨਾ ਹੈ मुग्म-मुग्म पूर्व कुं चिजारो स्वास-२ प्रभू नूं चितारो पंजाबी में सिर्फ 'त' 'ह' 'ਹ' का ही पैरों के साथ प्रयोग किया जाता है।

अभ्यास

नीचे लिखीं पंक्तियों को बार-बार पढ़ने व लिखने का अभ्यास कीजिए।

ਕਲ ਰਾਤ ਇਸ ਧਰਤੀ ਉੱਤੇ ਐਸਾ ਬੱਦਲ ਪਿਆ ਕਿ ਬੜੀ ਔਖ ਨਾਲ ਟੱਬਰ-ਟੀਰ ਤੇ ਨਿੱਕ-ਸੁੱਕ ਸਾਂਭਿਆ। ਸੂਤ ਦੀਆਂ ਰੱਸੀਆਂ ਬੰਨ੍ਹੀਆਂ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਕਪੜੇ ਸੁਕਾਏ। ਇੱਟਾਂ ਦੀਆਂ ਥੜੀਆਂ ਉੱਤੇ ਅੱਗ ਬਾਲੀ, ਰੋਟੀ- उत्ते अग्ग बाली, रोटी-ਟੁੱਕ ਪਕਾਇਆ। ਵਾਹਿਗੁਰੂ -ਦੀ ਮਿਹਰ ਸਦਕਾ ਅੰਤ ਨੂੰ ਇਹ ਝੱਖੜ ਬੰਦ ਹੋਇਆ। ਮਨੁੱਖ ਦਾ ਅਕਾਲਪੁਰਖ ਦੇ ਭਾਣੇ ਵਿਚ ਜੀਣ ਦਾ ਵਿਸ਼ਾਸ ਹੋਰ ਦ੍ਰਿੜ ਹੋਇਆ।

कल रात इस धरती उत्ते ऐसा बदल पिआ कि बडी औख नाल टब्बर-टीर ते निक्क-स्वक सांभिआ। सूत दीआं रस्सीआं बन्हीआं। उन्हां ते कपड़े स्काए। इट्टां दीआं थड़हीआं टक्क पकाइआ। वाहिग्रू दी मिहर सदका अंत नं इह झक्खड बंद होइआ। मन्वख दा अकाल प्रख दे भाणे विच जीण दा विश्वास होर दिरड़ होइआ।